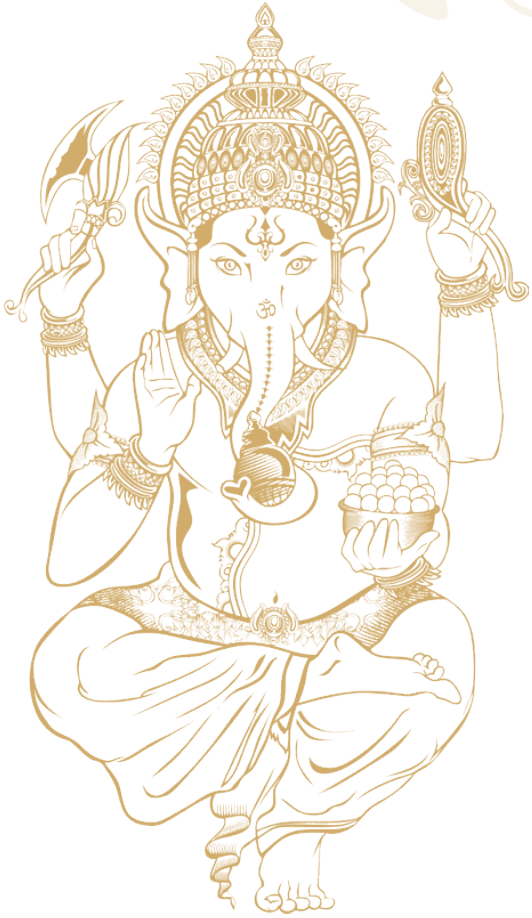

Dhanendra pratap singh

12 Sep 2001

08:10 AM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121344709

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 12/09/2001**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	**: 08:10:00 घंटे**
इष्ट	: 05:21:17 घटी
स्थान	**: Aligarh**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:54:00 उत्तर
रेखांश	: 78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 07:52:16 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	: 07:16:59 घंटे
सूर्योदय	: 06:01:29 घंटे
सूर्यास्त	: 18:26:05 घंटे
दिनमान	: 12:24:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 25:32:00 सिंह
लग्न के अंश	: 23:08:22 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**: मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**: आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:08:22	317:43:09	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	25:32:00	00:58:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	स्वराशि
चंद्र			मिथु	12:08:15	13:49:17	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			धनु	07:52:18	00:31:42	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कन्या	21:07:02	01:12:33	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	17:47:51	00:08:41	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	25:13:32	01:12:32	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:53:29	00:01:37	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	09:13:32	00:00:09	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	09:13:32	00:00:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:56:32	00:02:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:27:22	00:01:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:46:02	00:00:38	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मिथु	23:52:51	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:34

लग्न-चलित

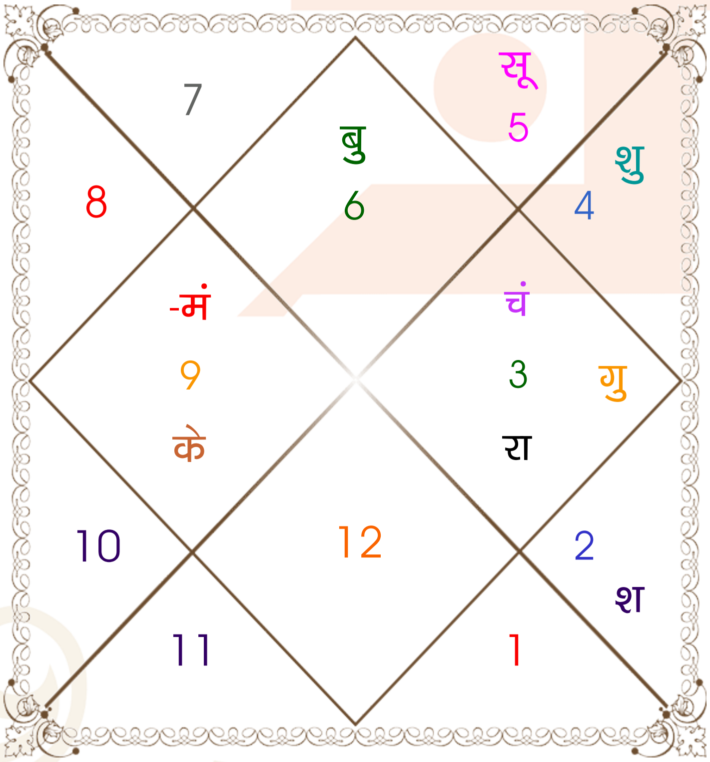

चन्द्र कुंडली

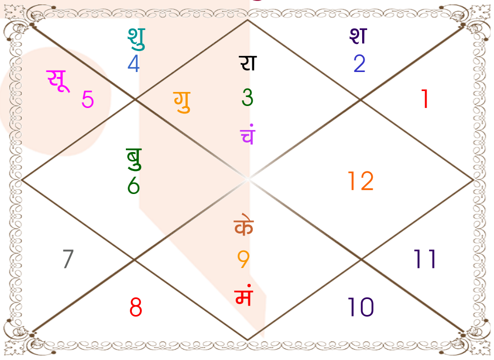

नवमांश कुंडली

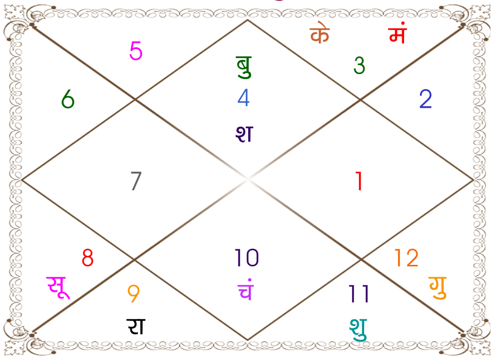

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 7 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
12/09/2001	24/04/2012	24/04/2028	25/04/2047	24/04/2064
24/04/2012	24/04/2028	25/04/2047	24/04/2064	25/04/2071
00/00/0000	गुरु 12/06/2014	शनि 28/04/2031	बुध 20/09/2049	केतु 20/09/2064
12/09/2001	शनि 23/12/2016	बुध 05/01/2034	केतु 17/09/2050	शुक्र 20/11/2065
शनि 06/04/2002	बुध 31/03/2019	केतु 14/02/2035	शुक्र 18/07/2053	सूर्य 28/03/2066
बुध 23/10/2004	केतु 06/03/2020	शुक्र 15/04/2038	सूर्य 25/05/2054	चंद्र 27/10/2066
केतु 11/11/2005	शुक्र 05/11/2022	सूर्य 28/03/2039	चंद्र 24/10/2055	मंगल 25/03/2067
शुक्र 11/11/2008	सूर्य 24/08/2023	चंद्र 26/10/2040	मंगल 20/10/2056	राहु 12/04/2068
सूर्य 05/10/2009	चंद्र 23/12/2024	मंगल 05/12/2041	राहु 10/05/2059	गुरु 19/03/2069
चंद्र 06/04/2011	मंगल 29/11/2025	राहु 11/10/2044	गुरु 15/08/2061	शनि 27/04/2070
मंगल 24/04/2012	राहु 24/04/2028	गुरु 25/04/2047	शनि 24/04/2064	बुध 25/04/2071

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
25/04/2071	25/04/2091	24/04/2097	26/04/2107	25/04/2114
25/04/2091	24/04/2097	26/04/2107	25/04/2114	00/00/0000
शुक्र 24/08/2074	सूर्य 12/08/2091	चंद्र 22/02/2098	मंगल 22/09/2107	राहु 05/01/2117
सूर्य 24/08/2075	चंद्र 11/02/2092	मंगल 23/09/2098	राहु 09/10/2108	गुरु 01/06/2119
चंद्र 24/04/2077	मंगल 18/06/2092	राहु 25/03/2100	गुरु 15/09/2109	शनि 13/09/2121
मंगल 24/06/2078	राहु 12/05/2093	गुरु 25/07/2101	शनि 25/10/2110	00/00/0000
राहु 24/06/2081	गुरु 28/02/2094	शनि 24/02/2103	बुध 22/10/2111	00/00/0000
गुरु 23/02/2084	शनि 10/02/2095	बुध 25/07/2104	केतु 19/03/2112	00/00/0000
शनि 25/04/2087	बुध 18/12/2095	केतु 23/02/2105	शुक्र 19/05/2113	00/00/0000
बुध 22/02/2090	केतु 24/04/2096	शुक्र 25/10/2106	सूर्य 24/09/2113	00/00/0000
केतु 25/04/2091	शुक्र 24/04/2097	सूर्य 26/04/2107	चंद्र 25/04/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरुद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com